

SHRI AMITAVA ROY

Shri Amitava Roy is a retired Distinguished Scientist and currently a Raja Ramanna Fellow of Bhabha Atomic Research Centre, Department of Atomic Energy. Shri Roy is one of the architects of India's successful Nuclear Recycle Program, which is vital to the expansion of nuclear power and national security of the country.

2. Born on July 23, 1957, Shri Roy received his B.Sc. Engg. degree from Ranchi University in 1980 and joined Bhabha Atomic Research Centre, Mumbai in 1982 after one year of training in BARC Training School. He subsequently received his M.Tech degree in Chemical Engineering from Indian Institute of Technology, Mumbai in 1992. Shri Roy is a specialist in design, engineering, construction and commissioning of nuclear recycle facilities, which is a complicated technology. He was assigned the responsibility of designing the India's largest Nuclear Recycle Plant at Kalpakkam, which he accomplished successfully. Subsequently, the Department entrusted him the responsibility to construct and commission the plant designed by him.

3. As Project Director and Facility Director, Shri Roy constructed and successfully commissioned the first integrated Nuclear Recycle Plant at Kalpakkam, which included Waste Immobilization Plant (WIP) for the management of radioactive nuclear waste. The Waste Immobilization Plant was inaugurated by the President of India on 15th November, 2013. The outstanding performance of WIP, which was fully indigenous and technologically challenging, has demonstrated India's capability of management of all types of radioactive nuclear waste and supplying of radiation sources for societal applications. India is one of the very few countries in the world having mastered the vitrification of highly radioactive nuclear waste.

4. Shri Roy held the position of Chief Executive of Nuclear Recycle Board till July, 2017. Under his leadership, construction of the mega project 'Integrated Nuclear Recycle Plant' at Tarapur commenced, which marks the beginning of commercial phase of the back end of PHWR fuel cycle facility.

5. The recipient of the DAE Group Achievement Awards in 2011 and 2016, Shri Roy played a pivotal role for India to achieve the capability of design, construction, commissioning and operation of industrial scale Nuclear Recycle Facilities. Under his leadership as Chief Executive, the Recycle Plants performed exceedingly well meeting the requirements of supplying the nuclear fuel for India's second stage of nuclear power program, which is a step towards ensuring the energy security of the nation in a sustainable manner and meeting India's clean energy commitments.



श्री अमिताभ रॉय

श्री अमिताभ रॉय एक सेवानिवृत्त प्रतिष्ठित वैज्ञानिक तथा फिलहाल भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नाभिकीय ऊर्जा विभाग में राजा रमन्ना फैलो हैं। आप नाभिकीय ऊर्जा के विस्तार तथा भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाने वाले भारत के सफल न्यूक्लियर रिसाइकिल प्रोग्राम के निर्माताओं में शुमार हैं।

2. आपका जन्म 23 जुलाई, 1957 को हुआ। आपने वर्ष 1980 में रांची विश्वविद्यालय से बी एस सी इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की तथा बी ए आर सी प्रशिक्षण विद्यालय में एक वर्ष का प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत आपने भाभा परमाणु अनसंधान केन्द्र, मुंबई में 1982 में कार्यभार ग्रहण किया। बाद में वर्ष 1992 में आपने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई से केमिकल इंजीनियरिंग में एम. टेक की डिग्री हासिल की। आपको न्यूक्लियर रिसाइकिल फैसिलिटीज, जो एक जटिल तकनीक मानी जाती है, के डिजाइन, अभियांत्रिकी, निर्माण एवं उसे चालू करने के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त है। आपको कलपक्कम में भारत के सबसे विशाल न्यूकिल्यर रिसाइकिल प्लांट की रुपरेखा तैयार करने की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई जिसे आपने सफलतापूर्वक अंजाम दिया। बाद में विभाग ने आपको उस संयंत्र का निर्माण करने तथा उसे प्रारंभ करने का उत्तरदायित्व सौंपा जिसकी रुपरेखा आपने स्वयं तैयार की थी।

3. परियोजना निदेशक तथा फेसिलिटि डायरेक्टर के रूप में आपने कलपक्कम में प्रारंभ इंटीग्रेटिड न्यूक्लियर रिसाइकिल प्लांट को सफलतापूर्वक प्रारंभ किया जिसमें रेडियोएक्टिव न्यूक्लियर वेस्ट के प्रबंधन के लिए वेस्ट इमोबिलाइजेशन प्लांट (डब्ल्यू आई पी) भी शामिल है। भारत के महामहिम राष्ट्रपति के करकमलों द्वारा दिनांक 15 नवबंर, 2013 को वेस्ट इमोबिलाइजेशन प्लांट का शुभारंभ किया गया। वेस्ट इमोबिलाइजेशन प्लांट, जो पूर्णत: स्वदेशी है तथा जिसे तैयार करना तकनीकी रूप से अत्यंत चुनौतीपूर्ण था, के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने सभी प्रकार के रेडियोएक्टिव वेस्ट के प्रबंधन तथा सामाजिक उपयोगों के लिए रेडिएशन स्रोतों की आपूर्ति करने की भारत की क्षमता को परिलक्षित कर दिया। भारत विश्व के कुछ एक ऐसे चुनिंदा देशों में से एक है जिसे हाईली रेडियोएक्टिव न्यूक्लियर वेस्ट को कांच में परिवर्तित करने (विट्रिफिकेशन) में प्रवीणता प्राप्त है।

4. आप जुलाई, 2017 तक न्यूक्लियर रिसाइकिल बोर्ड के मुख्य कार्यकारी के पद पर आसीन रहे। आपके कुशल नेतृत्व के अधीन तारापुर में इंटीग्रेटिड न्यूक्लियर रिसाइकिल प्लांट, नामक एक विशाल परियोजना का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ, जो पी एच डब्ल्यू फ्यूल साइकिल फेसिलिटी के बैक एंड के व्यावसायिक चरण की शुरूआत का द्योतक है।

5. आपको वर्ष 2011 तथा 2016 में डीईए ग्रुप एचीवमेंट पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। आपने भारत द्वारा इंडस्ट्रियल स्केल न्यूक्लियर रिसाइकिल फेसिलिटीज की रुपरेखा तैयार करने, उसके निर्माण, उसे प्रारंभ करने तथा उसके प्रचालन की क्षमता हासिल करने के कार्य में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। मुख्य कार्यकारी के रूप में आपके कुशल नेतृत्व के अधीन रिसाइकिल प्लांट्स ने अत्यंत सफलतपूर्वक कार्य किया तथा भारत के द्वितीय स्तर के न्यूक्लियर पावर प्रोग्राम के लिए परमाणु ईंधन की आपूर्ति संबंधी जरूरतों की कुशलतापूर्वक ढंग से पूर्ति की, जो सतत ढंग से राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा भारत की स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता की ओर एक अगला कदम है।